

सैंत मैंत अव्य. (देश.) मुफ्त में बिना किसी खर्च के, बिना मूल्य (दाम) दिए, नाहक।

सैंति स्त्री. (देश.) 1. संभालकर रखने का भाव/क्रिया 2. बटोरने या सिमटने की क्रिया 3. मुफ्त, बिना दाम के प्राप्त होने का भाव या क्रिया।

सैंदुरदान पुं. (देश.) विवाह की रस्म जिसके अनुसार वर वधू की माँग में सिंदूर भरता है।

सैंदुरदानी स्त्री. (देश.) वह पात्र जिसमें सिंदूर का चूरा रखा जाता है।

सैंदूर पुं. (तद्.) 1. सिंदूर- एक लाल चूर्ण जिससे सुहागिन स्त्रियाँ माँग भरती हैं 2. एक वृक्ष का नाम, सिंदूर।

सैंदूरा, सैंदुरिया वि. (देश.) सिंदूर के रंग का स्त्री. सिंदूर पुष्पी, सदासुहागिन पुं. लाल फूलों वाला पौधा।

सैंदूरी स्त्री. (तद्.) 1. लाल रंग की गाय 2. लाल कपड़ा 3. रोचनी 4. सिंदूर पुष्पी 5. धातकी 6. लाल रंग का।

सैंद्रिय वि. (तत्.) इन्द्रियुक्त, सजीव, पुंसत्वयुक्त।

सैंध स्त्री. (तद्.) 1. चोरों द्वारा चोरी के लक्ष्य से दीवार तोड़कर बनाया गया छेद या सुराख 2. सुरंग 3. फूट, तोड़फोड़।

सैंधना स.क्रि. (देश.) 1. सैंध लगाना 2. चोरी करने के लिए दीवार में सुराख करना 3. तोड़ फोड़ करना 4. फूट डालना।

सैंधा पुं. (तद्.) सिंधु नदी के पास से निकलने वाला खनिज लवण।

सैंधानमक पुं. (तद्.) वह नमक जो सिंधु नदी के पास की भूमि में एक खनिज के रूप में मिलता है।

सैंधिया वि. (देश.) 1. वह जो सैंधा लगाता हो, सैंध-लगाने वाला 2. फूट डालने वाला 3. पैहरा पुं. (तत्.) एक मराठा राजवंश "सिंधिया"।

सैंधी स्त्री. (देश.) 1. खजूर 2. पैहरा 3. फूट 4. खजूर की शराब।

सैंधुर, सैंधुआर पुं. (देश.) एक माँसाहारी जंतु।

सैंबुर पुं. (देश.) सेमल।

सैंमल पुं. (देश.) शाल्मलि, सेमल। एक वृक्ष।

सैंवई स्त्री. (देश.) मैदे के सूत से लच्छे, ये प्रायः हथेलियों से बटकर बनाई जाती हैं।

सैंसर पुं. (अं.) 1. आपत्ति जनक तथा उत्तेजक तथ्यों का परीक्षण 2. पत्रों, पुस्तकों, फिल्मों तथा नाटक तथा सेना-संबंधी सूचनाओं का परीक्षण करने वाला सरकारी पदाधिकारी।

सैंसर बोर्ड पुं. (अं.) पत्र, पुस्तक, नाटक, फिल्म और सेना आदि के शासकीय कार्यों से संबंधित तथ्यों एवं विवरणों का परीक्षण करके आपत्तिजनक और उत्तेजक विवरणों को छांटकर निकालने हेतु गठित की गई समिति, संस्था या बोर्ड, जांच समिति।

सैंसस पुं. (अं.) मर्दुमशुमारी, जनगणना (भारत में प्रत्येक दशक के प्रारंभिक वर्ष में जनगणना की जाती है)।

सैंह पुं. (तद्.) सैंध, दीवार तोड़कर बनाए जाने वाला छेद या सुराख, मार्ग।

सैंहा पुं. (देश.) 1. कुँआ तैयार करने वाले वे व्यक्ति या वह व्यक्ति जो उसमें जल-स्रोत को खोजकर उसे पूर्णतः तैयार करता है, कुँआ तैयार करने वाला आदमी।

से पुं. (तत्.) 1. करण तथा अपादान कारक का चिह्न 2. 'सा' का बहुवचन 3. समान, सम, तुल्य (सर्व.) 'सो' या 'जे' का लोकप्रयुक्त प्रचलित रूप **स्त्री** (तत्.) 1. सेवा, टहल 2. कामदेव-पत्नी, करण उदा. कलम से लिखता हूँ, वृक्ष से फल तोड़ लिया **क्रि.वि.** 'मानो' (के अर्थ में) उदा. 'कबूरी हाँक से लाए'।

सेउवा स्त्री. (देश.) सेवा, 'सुश्रूषा'।

सेऊ पुं. (देश.) 1. 'सेब' नामक फल 2. स्त्री. (तद्.) 'सेवा' 3. सर्व. (तद्.) वह, उसने 4. परसर्ग 'से'।

सेकंड स्त्री/पुं. (अं.) काल का छोटा परिमाण, (एक घंटे में साठ मिनट और साठ सेकंड का एक